रजिस्टर्ड/सील्ड

उत्तर प्रदेश शासन

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2

संख्या-119/2018/2822/22-2-2017-17(02)/1999

लखनऊ: दिनांक: 24 जनवरी, 2018

आदेश

उत्तर प्रदेश के मा0 राज्यपाल, दण्ड प्रकिया संहिता, 1973 (एक्ट संख्या-2, 1974) की धारा-432 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए **केन्द्रीय कारागार, वाराणसी** के सिद्धदोष **बन्दी जैनुद्दीन (बन्दी संख्या-38587) पुत्र श्री मो0 शीश, निवासी-ग्राम-गौहनियां, थाना-इब्राहिमपुर, जिला-अम्बेडकरनगर,** जिन्हें **सत्र परीक्षण संख्या-17/1978** के अन्तर्गत भारतीय दण्ड विधान की **धारा-147, 302/149, 323/149** के अधीन मा0 प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, फैजाबाद द्वारा **दिनांक 08-03-1979** को आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 03-04-2017 तक काटी गयी 20 वर्ष 01 माह 08 दिन की अपरिहार तथा 26 वर्ष 09 माह 03 दिन की सपरिहार सजा को दृष्टिगत रखते हुए बन्दी के नामिनल रोल पर सम्यक् विचारोपरान्त उनकी शेष सजा का परिहार करते हैं तथा यह आदेश देते हैं कि उक्त बन्दी को **जिला मजिस्ट्रेट, अम्बेडकरनगर** के संतोषानुसार दो जमानतें तथा उतनी ही धनराशि का एक जाती मुचलका प्रस्तुत करने पर कारागार से मुक्त कर दिया जाय।

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर
संयुक्त सचिव।

संख्या-119/2018/2822(1)/22-2-2017 तद्दिनांक :

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ।
2- जिला मजिस्ट्रेट, अम्बेडकरनगर।
3- पुलिस अधीक्षक, अम्बेडकरनगर।
4- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, वाराणसी।
5- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
6- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन।
7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in